www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 14 दिसंबर, 2009 • अंक-34 • वर्ष-2

सांस्कृतिक पहचानक बिना विकास संभव नहि : अज्ञात

समृद्ध पंजाब लेल बदलू मानसिकता

गिरिजेश

मजदूर क महज एक दिनक आक्रोश लुधियाना पर भारी पड़ि गेल। उद्यमी कए करोड़ क चूना लागि गेल। उद्योगपति कराह उठला। मुदा पेट मे भूख क आगि लेने मजदूर आत्मसम्मान आ हक क लड़ाई मे लागल रहल। ओकरा पर पुलिस-प्रशासन आ स्थानीय लोक एकजुट भ हमला केलथि। एतबा धरि जे बेड़ा मे डरा कए नुकायल मजदूर कए सेहो पुलिस बाहर निकालि कए पीटलक आ बर्बर लोकक हाथ मे सौंपि देलक। एहि मे किछु गोटेक जान सेहो गेल, मुदा मजदूर क गप कियो नहि सुनलक। अंत मे मजदूर उठल, सड़क पर उतरल आ देखा देलक जे ओ पंजाब मे नहि भारत वर्ष क एकटा प्रांत मे अछि।

एहि एक दिन क नुकसान स सरकार आ प्रशासन कए सीख लेबाक चाही। कहियो एहन घटना क पुनरावृत्ति नहि हुए। मजदूर क प्रति सरकार संवेदनशील बनए। अगर प्रशासनिक आ सरकारी स्तर पर भ रहल लापरवाही नहि सुधारल गेल त घाटा क आंकड़ा करोड़ मे नहि अरब मे होएत।

पंजाब खास कए लुधियाना मे मजदूर क संग अमानवीय व्यवहार होइत रहल अछि। अधिकतर मजदूर कए कंपनी पहचान पत्र तक नहि देने अछि। इएसआई आ अन्य सुविधा क त गप दूर। कठिन काज क लेल यूपी-बिहार क लोक कए ताकल जाइत अछि, किया कि ओ कमरतोड़ मेहनत करैत छथि। एहि मेहनत क बदला मे वेतन इतबा कम जे पूछू जुनि। की खायब की बचायब। आलम इ अछि जे कतहु-कतहु एक-एकटा कोठली मे 10-12 गोटे मिलि कए रहबा लेल मजबूर छथि। बमुश्किल इ मजदूर पेटकाटि कए हजार-पांच सौ क बचत करि पाबैत छथि। ओकरो स्थानीय लफंगा पुलिसक सहयोग स लूटैत रहल अछि। गरीबीक शाप स ग्रसित बिहार-यूपीक मजदूर झारखंड आ छत्तीसगढ़क लोहा स पंजाब मे साइकिल बनेबा क काज करैत एलाह अछि, इ पूछने बिना जे इ कारखाना ओहि ठाम किया नहि लागल जाहि ठाम स लोहा आ मजदूर अबैत अछि। ओ चुपचाप बेहतर पंजाब क निर्माण मे दिन-राति एक केने रहैत छथि।

आखिर एहन स्थिति कोनो आबि गेल जे मजदूर कए कानून अपन हाथ मे लिए पड़ल। केकर गलती स एहन भेल? जिम्मेवार चाहे राज्य सरकार हुए, प्रशासन या फेर स्थानीय नेता, पर रोजी-रोटी क जुगाड़ मे आएल मजदूर गुनहगार कोना भ सकैत अछि। हुनका कोन जरूरत छल जे राति मे थाना क बाहर प्रदर्शन केलथि, जखनकि हुनका भोर मे फेर कमरतोड़ मेहनत क लेल काज पर जेबाक छल। अगर इ गुनहगार रहितथि, बेइमान रहितथि त आइ हिनकर पेट आ पीठ एक नहि भेल रहितए। शायदे कोनो मजदूर लुधियाना मे कमा कए बिहार मे पैघ मकान बनेने होयत, बल्कि हिनकर शोषण करनिहार धनपशु बनि गेलाह अछि। खैर छोड़ू . . . ।

इ मजदूर जरूर छथि। सड़क क कात मे, झुग्गी-झोपड़ी आ स्टेशन पर सुतबा लेल विवश छथि, मुदा हिनकर श्रम क बिना लुधियाना की शहर क शायदे कोनो छोट सन मकान बनि कए ठार भेल होयत। यूपी-बिहार क श्रम क बिना लुधियाना मेट्रो सिटी बनबाक सपना सोचियो नहि सकैत अछि। आइ पंजाब क खेत बिहार-यूपीक मजदूर कए महत्व बुझि गेल अछि। इ हाल रहल त लुधियानाक कारखाना सेहो हिनकर स्वागत लेल नव-नव योजना चलेबा लेल मजबूर भ जाइत। ताहि लेल एखन समय अछि, बदलू अपन इ कुत्सित मानसिकता आ समृद्ध राखू पंजाब।

लेखक लुधियाना मे पत्रकार छथि

शोषण आ उत्पीड़न क परिणाम छल इ आक्रोश

लुधियाना स समदिया चंदन

चारि दिन पहिने लुधियाना प्रवासी मजदूर क ओ तामस देखलक, जे ओ लंबा समय स दबेने बैसल छलाह। आजीविका क लेल अपन परिवार कए हजार किलोमीटर दूर छोड़िकए एहि ठाम बसल बिहार आ पूर्वांचल मजदूरक शोषण आ उत्पीड़न क इ परिणाम छल जे छीनाझपटी क शिकार भेलाक बाद जखन एकटा प्रवासी क रिपोर्ट नहि लिखल गेल, त ओ कानून हाथ मे ल लेलथि। पुलिस चौकी क घेराव करबाक हुनकर मकसद उत्पात मचेबाक नहि छल, बल्कि ओ अपन विरोध जतेबा लेल जमा भेल छलथि। मुदा हालात क मारल प्रवासी मजदूर पर पंजाब पुलिस क बलप्रयोग उल्टा प्रभाव देखा देलक।

काज स घर लौटल एहि प्रवासी मजदूर क तखन चूल्हा बरेबाक समय छल, जखन ओ पुलिस चौकी क आगू डेरा डालि कए इंसाफ क गुहार लगा रहल छलाह। भूखल पेट नारेबाजी करि रहल प्रवासी पर पुलिस लाठी बरसा देलक। गुरुवार क राति क तामस शुक्रदिन लुधियाना अंबाला कए जोड़निहार जीटी रोड पर फूटल, जेकर दूनू कात ओ कारखाना अछि, जाहि मे प्रवासी कए रोजगार भेटल अछि। प्रवासी कए पता अछि जे हुनकर इ प्रदर्शन हुनकर दरमाहा पर भारी पड़त, मुदा ओ अपन तामस कए रोकि नहि सकलाह। जाहि इलाका मे प्रदर्शन भेल, ओ लुधियाना क औद्योगिक इलाका अछि। प्रदर्शन क कारण कारखाना बंद करि देल गेल आओर ओहि मे काज करनिहार कए ओहि दिन क काज नहि भेट सकल। बेरोजगार रहनिहार बिहार क लोक क तादाद सबस बेसी अछि। मुदा की प्रवासी क इ तामस ओहि एकटा घटना क परिणाम छल जे गुरुवार क राति घटल। की इ प्रदर्शन मात्र मजदूर स होइवाला छीनाझपटी क विरोध मे छल? नहि, इ प्रवासी क ओ तामस छल, जे ओ लंबा समय स अपन भीतर दबेने बैसल छलाह। इ प्रदर्शन छल ओ पुलिस क खिलाफ जे राति कए कारखाना स घर लौट रहल कोनो प्रवासी कए तलाशी क नाम पर जेब टटोलैत रहैत अछि आ ओकर मेहनत क कमाई उड़ा ल जाइत अछि। इ प्रदर्शन छल ओ पुलिस वाला क खिलाफ जे प्रवासी क परिजन कए पठाउल वा रहल कपड़ा-लत्ता पर एहन शक जाहिर करैत अछि, जेना ओ झोरा या अटैची मे बम पठाउल वा रहल अछि। जांचक नाम पर जखन तक एक-एकटा लत्ता खोलिकए नहि देख लैत अछि, ओकरा चैन नहि पड़ैत अछि। यदि अटैची एक स बेसी अछि त तौल क डर देखा अपन जेब गर्म करबा लैत अछि। अपन देश मे आखिर गुलामक जिनगी जीबा लेल के तैयार भ सकैत अछि। इ प्रवासी मजदूर सेहो आब गुलाम बनबा लेल तैयार नहि छथि। पंजाबक सरकार आ प्रशासन कए इ बुझबा मे जहिया आबि जाएत, समस्या अपने आप खत्म भ जाइत। ओना इ चिंगारी स फेर आगि धधकि सकैत अछि।

लुधियाना कांड

मैला उठउनिहार कए देलक बिहार सरकार आर्थिक मदद

बिहार सरकार राज्य क लगभग 5000 दलित क पुनर्वास क लेल 15 करोड़ टका क वित्तीय सहायता उपलब्ध करउलक, जे अखनि सेहो मैला ढोबै कए लेल अभिशप्त अछि। अनुसूचित जाति आ जनजाति कल्याण विभाग क प्रधान सचिव केपी रामय्या कहलथि जे दू वर्ष पहिने केंद्र सरकार द्वारा एहि कए पूरा तरह बंद करबाक संबंधी निर्देश जारी कएल गेल छल, मुदा राज्य मे इ प्रथा जारी अछि। रामय्या कहलथि जे आब राज्य सरकार इ नारकीय काज मे लागल लोक क पुर्नवास क लेल शुरू हुए वाला विशेष योजना क द्वारा एहि प्रथा कए पूरी तरह स उन्मूलन करबाक लेल प्रतिबद्ध अछि। 1996 क एकटा आधिकारिक सर्वेक्षण क अनुसार बिहार क विभिन्न इलाक मे 10,641 लोक मैला ढोबाक नारकीय काज मे लागल छल, मुदा दलित क बीच काज करै वाला स्वैच्छिक संस्था क अनुमान क अनुसार लगभग 20,000 लोक एहि तरह क नारकीय काज करैत अछि। इ लोक सफाई काज क संग-संग मानव मल-मूत्र क सफाई आ सिर पर रखि कए बाहर फेंकबाक काज सेहो करैत अछि।

नक्सल क्षेत्र मे सेना खोलत ट्रेनिंग सेंटर

मोतिहारी (पू.च.)। सेना क डिप्टी डायरेक्टर आ बिहार-झारखंड क प्रभारी ब्रिगेडियर आरजे शर्मा कहलथि जे नक्सल प्रभावित इलाका मे ट्रेनिंग सेंटर खोलल जाइत। ओ कहलथि जे नक्सल प्रभावित क्षेत्र मे सेना क बहाली क प्रक्रिया शुरू करि देल गेल अछि, जेहि मे स्थानीय नौजवा कए विशेष तरजीह देल जा रहल अछि। गुमराह युवक कए ध्यान सेना वा राष्ट्र क सेवा क प्रति दिलाउल जा रहल अछि। प्रभारी ब्रिगेडियर आरजे शर्मा कहलथि जे पिछला पांच दिन स चलि रहल सेना क बहाली मे पूर्वी आ पश्चिमी चंपारण जिला क 9,888 टा अभ्यर्थी भाग लेलक। चयनित अभ्यर्थी मे 116 टा नक्सल प्रभावित क्षेत्र अछि। पकड़ीदयाल क 19, मधुबन क 21, तेतरिया क 14, ढाका क 08, आदापुर क 11, छौड़ादानों क 06, बगहा क 32, ठकराहां क 12 आ नौतन क 06 शामिल अछि। ओ कहलथि जे नक्सल प्रभावित जिला मे सेना क अगिला ट्रेनिंग सेंटर खोलल जाएत। ओ कहलथि जे एकर बाद बेतिया, जहानाबाद, रोहतास आदि नक्सल प्रभावित क्षेत्र मे कैम्प लगाउल जाएत। ओ कहलथि जे लड़की क रुझान सेहो आब सेना मे अछि। छठा वेतन आयोग क लागू होबै पर नौजवान क रुझान एहि तरफ काफी बदल अछि। ओ कहलथि जे बहाली कए प्रक्रिया कए सरल बनबाक लेल वेबसाइट बनि रहल अछि, जे बिहार आ झारखंड मे दू माह क अन्दर काज करै लागत।

346 टा पशु चिकित्सक क शीघ्र होइत नियुक्ति

समदिया

पटना। राज्य सरकार प्रखंड पशु चिकित्सक क खाली पद कए भरबाक लेल आवश्यक प्रक्रिया शुरू करि देलक अछि। अगिला पन्दह दिन क अन्दर सूबा मे 346 टा पशु चिकित्सक प्रखंड मे नियुक्त करि देल जाएत। एकरा अलावा 225 टा पशु चिकित्सक कए नियुक्ति क प्रक्रिया सेहो अंतिम चरण मे अछि। इ गप पशुपालन मंत्री राम नारायण मंडल बिहार पशु चिकित्सा संघ क तरफ स आयोजित संगोष्ठी मे कहलथि। ओ कहला जे सूबे मे पशुपालन कए बढ़ेबा देबाक लेल सरकार क तरफ स कईटा कार्यक्रम चलाउल जा रहल अछि। पशुपालक क समस्या कए दूर करबाक लेल पशु चिकित्सक पशुपालक क द्वार कार्यक्रम चलाउल गेल। एहि स राज्य क अधिकांश पशुपालक क समस्या कए दूर करबाक प्रयास कएल गेल। सूबे क पशुपालक क बीच हरा चारा क बीज वितरित कएल गेल अछि। ओ पशु चिकित्सक कए चेतबैत कहलथि जे अगर कोनो पशु चिकित्सक चिकित्सालय स फरार पाउल गेल त हुनकर खैर नहि रहत। पशु चिकित्सक ईमानदारी स अपन कर्तव्य क पालन करै, सरकार हुनका आवश्यक सुविधा प्रदान करबाक लेल तत्पर अछि। एहि मौका पर किसान आयोग क पूर्व सदस्य डॉ. अलाउद्दीन अहमद कहलथि जे पशु चिकित्सक सूबा मे दूध उत्पादन बढ़ेबा पर विशेष ध्यान दिए। देश मे प्रतिव्यक्ति दूध क उत्पादन सबस कम बिहार मे भ रहल अछि। इ हमर लेल गंभीर चिंता क विषय अछि।

योगक्रांति अग्रदूत क महाप्रयाण स सन्नाटा

मुंगेर। बीसवीं सदी मे योग ज्ञान क जड़ कए अभिसिंचित करि पुनर्स्थापित करै वाला परमहंस सत्यानंद सरस्वती क महाप्रयाण रिखिया स्थित आश्रम मे होबै पर देश-विदेश क संग मुंगेर मे सेहो शोक क गहरा लहर दौड़ गेल। देश मे योग, भक्ति आ अध्यात्म क ऋषि-परंपरा कए संजीवनी प्रदान करै वाला कईटा महामनीषी क बावजूद सत्यानंद सरस्वती क निधन स एहि क्षेत्र मे एकटा सन्नाटा पैल गेल अछि। गत वर्ष एहि ठाम भेल विष्णु पुराण कथा यज्ञ मे योग गुरु रामदेव बाबा सत्यानंद सरस्वती क भविष्यवाणी क सेहो जिक्र कएल गेल छल।

15 वर्ष पुरान बस क होइत पूरा जांच

पटना। उच्च न्यायालय क निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार 15 वर्ष पुरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट क गाड़ी क कड़ाई स जांच क निर्णय लेलक अछि। एकरा लेल 19 दिसंबर स गांधी मैदान मे मेगा शिविर लगाउल जा रहल अछि, जेहि ठाम वाहन क फिटनेस, परमिट संग एहि वाहन क चालक कए स्वास्थ्य क जांच कएल जाइत। इ शिविर स पूर्व अखबार मे विज्ञापन प्रकाशित कएल जाइत। तीन दिन क एहि शिविर मे स्वेच्छ स वाहन मालिक कए शामिल होबै पड़त। पहिने दू दिन 15 साल पुरान वाहन क जांच कएल जाइत, जखनि कि अंतिम दिन 10 साल पुरान गाड़ी कए सेहो जांच कएल जाइत।

विश्व बैंक कए मदद स चमकत सड़क

नई दिल्ली। बिहार क सड़क आब विश्व बैंक कए मदद स चकमक होएत। विश्व बैंक स करीब 15 हजार करोड़ टका क कर्ज ल कए भारत सरकार जेहि 33 टा राजमार्ग कए सिंगल लेन स डबल लेन करै जा रहल अछि, ओहि मे सब स बेसी बिहार क सड़क शामिल अछि। सड़क आ परिवहन मंत्रालय जेहि 3770 किमी पैघ सड़क क चयन केलक अछि, ओहि मे जे सड़क सिंगल लेन क अछि ओकरा आब डबल लेन करबाक योजना अछि। विश्व बैंक क मदद से जेहि सड़क परियोजना पर काज शुरू भ रहल अछि, ओकर पड़ताल करबाक लेल विश्व बैंक क एकटा टीम जनवरी मे भारत क दौरा करत। ओकरा बाद कोनो प्रतिष्ठित कंपनी कए ठेका द देल जाएत।

ट्रक क लेल कटलक पहाड़

पटना। बिहार क एकटा शख्स कए इ कारनामा देखि कए शीरी-फरहाद क लव स्टोरी याद अबैत अछि। जेहि तरह स फरहाद अपन मोहब्बत क लेल पहाड़ क सीना चीर कए दूध क नहर बहेने छल, ओहि तरह स पूर्वी बिहार क गया जिला क रहनिहार 53 वर्षीय रामचंद्र दास सेहो अपन ट्रक घर ल जेबा लेल खुद पहाड़ काटि देलक अछि। ओ लगातार 14 साल पहाड़ पर छैनी-हथौड़ा चला कए चारि मीटर चौड़ा सुरंग बनेलक अछि। एहि तरह आब ओ अपन ट्रक घर तक ल जा सकैत अछि। इ काम कए अंजाम देबाक लेल रोजाना काज करैत छल। ओ कहैत अछि जे पहाड़ी इलाका क वजह स अपन ट्रक कए घर स मीलों दूर खाड़ करै पड़ैत छल। रोज रात कए एहि तरह वीराना मे ट्रक छोड़बा मे हुनका चोरी क डर सतबैत रहैत छल। अपन मदद लेल ओ हर अफसर क दरवाजा खटखटेने छलाह। कोनो ठाम स मदद नहि भेटबा पर ओ अपन काम खुद करबाक फैसला केलाह। ओ कहैत अछि जे हुनका इ काम स सिर्फ हुनके टा नहि, पूरा गांव कए फायदा पहुंच रहल अछि। एहि स पहिने गांव वाला कए अपन खेत तक पहुंचबा लेल घूम कए जाइ पड़ैत छल। आब ओ सेहो इ 4.2 मीटर क सुरंग स गुजर कए अपन खेत तक आसानी स पहुंच जाइत अछि।

स्वास्थ्य केंद्र मे नियुक्त होएत विशेषज्ञ चिकित्सक

पटना। स्वास्थ्य मंत्री नंदकिशोर कहलथि जे अगिला तीन माह क अंदर राज्य मे प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे चारि टा विशेषज्ञ चिकित्सक कए नियुक्ति कएल जाइत। ओ विधानसभा क सत्र क दौरान एहि गप क जानकारी देलथि। हुनकर अनुसार सब टा चिकित्सक पूर्ण रूप स प्रशिक्षित होएत।

मार्च में होएत जल नीति कए घोषणा

पटना। राज्य में अगिला साल पेय जल आ स्वच्छता नीति कए घोषणा कएल जाएत। एहि गपक जानकारी लोक स्वास्थ्य आ अभियंत्रण मंत्री अश्विनी कुमार चौबे देलथि। ओ कहलथि जे अगिला साल मार्च मे विश्व जल दिवस क अवसर पर 22 मार्च कए एकर घोषणा कएल जाएत। एहि नीति मे पेयजल कए प्रमुखता देल गेल अछि। मंत्री कहलथि जे सरकार एहि नीति पर काज करबाक लेल गंभीर अछि आ एकरा लेल कोनो ढील नहि देल जाएत। मंत्री कहलथि जे सरकार दोहरी जल आपूर्ति प्रणाली पर सेहो काज करि रहल अछि।

कृषि उत्पादन मे बढ़ोतरी जरूरी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि जे भूमि पर निर्भरता क बदला कृषि उत्पादकता बढ़ेबा पर जोर देल जाए। ओ किसान पाठशाला आ समेकित कृषि प्रणाली कार्यक्रम 2009-10 क शुभारंभ करबाक बाद एकटा कार्यक्रम कए संबोधित करैत छलाह। मुख्यमंत्री कहलथि जे किसान पाठशाला क उद्देश्य खेत मे पाठशाला कए आयोजन करि फसल उत्पादकता क ज्ञान बढ़ेबाक अछि। ओ कहलथि जे नव तकनीक स किसान अपन खेती कए उत्पादकता बढ़ाउत आ ओहि स आर्थिक रूप स सेहो मजबूत होएत। ओ इहो कहलथि जे जे किसान एकर अलावा छोट-छोट भूमि मे खेती क संग-संग पशुपालन, डेयरी, मछलीपालन, बागवानी, बायोगैस आ मधुमक्खी पालन शुरू करत, हुनका सरकार सहायता सेहो उपलब्ध कराउत। ओ कहलथि जे प्रत्येक प्रखंड कए दू टा किसान कए, जे इ प्रणाली कए अपनाउत, दस हजार टका अनुदान क रूप मे देल जाएत।

ग्लोबल वार्मिंग स निपटबाक लेल जैविक खेती

पटना। बिहार मे कृषि क उर्वरा शक्ति बनबाक आ ग्लोबल वार्मिंग स निबटबाक लेल जैविक खेती कएजे ग्रामीण क्षेत्र मे गाय, बैल आ भैंस क कमी भ गेल अछि। प्रत्येक किसान क घर मे जखन तक गाय आ भैंस पर्याप्त संख्या मे नहि होइत, जैविक खाद कए बढ़ावा नहि भेट सकत। पशुपालन स किसान क समृद्धि संग कृषि क्षेत्र क सेहो विकास होइत।

सड़क पर आब मशीन लगाउत झाड़ू

पटना। चकाचक सड़क आ गली। कोनो ठाम कूड़ा क नामोनिशान नहि अछि। यदि सब किछु ठीकठाक रहल त जल्द इ हकीकत देखबाक लेल भेटत। पटना नगर निगम पूरा सफाई व्यवस्था क मैकेनाइज्ड करबाक योजना तैयार केलक अछि। एकरा लेल शुरुआत मे 10 टा सड़क कए चुनल गेल अछि। काज क लेल अलग-अलग रूट निर्धारित कए गेल अछि। एकटा रूट मे 32.45 किलो मीटर सड़क त दोसर रूट मे 28.65 किलो मीटर सड़क क सफाई क काज शामिल कएल गेल अछि। सफाई काज क लेल आधुनिक सफाई मशीन क खेप पहुंच लागल अछि। जल्द स्वीपिंग मशीन नूतन राजधानी क्षेत्र क 9टा सड़क क अलावा कंकड़बाग पुराना बाईपास पर सफाई क काज संभालत। मशीन सड़क पर मौजूद बालू, धूल, पत्थर आ कागज क टुकड़ा तक साफ करि देत। एहि काज क लेल तैयार कराउल गेल नक्शा क अनुसार रूट नंबर एक क काज क्षेत्र हड़ताली मोड़ स त रूट नंबर दू चितकोहरा मोड़ स शुरू होइत। दूनू रूट क अंतिम छोर गांधी मैदान राखल गेल अछि। नगर निगम क आयुक्त के सैंथिल कुमार क अनुसार नूतन राजधानी अंचल क अलावा कंकड़बाग पुरानी बाईपास कए मैकेनाइज्ड सफाई क लेल शामिल कएल गेल अछि। श्री कुमार क अनुसार पतली सड़क पर 1.13 क्यूबिक मीटर यानी एक टन क्षमता वाला एक हजार टा कंटेनर लगाउल जाइत।

मुख्य सड़क पर 4.5 क्यूबिक मीटर यानी चारि टन क्षमता वाला एक सौ टा कंटेनर लागत। नगर निगम क पास 16 टन कचरा ढोबै वाला चारि कॉम्पेक्टर उपलब्ध अछि। जे निजी कंपनी कए मैकेनाइज्ड सफाई क काज देल गेल अछि, ओ दस टा आओर छोट-छोट कॉम्पेक्टर क व्यवस्था करत। इ संकरी सड़क पर राखल कंटेनर स कचरा उठाउत। एकरा अलावा 50 टा टाटा एसीई गाड़ी कए कूड़ा ढोबाक लेल मंगाउल जा रहल अछि। नगर आयुक्त कहलथि जे निगम कचरा उठाव क अनुरूप टका कए भुगतान करत। यदि गाड़ी खाड़ा रहत त भुगतान नहि होइत। मापी क आधार पर भुगतान आ वाहन क रख-रखाव क चिंता स निगम मुक्त रहत। नूतन राजधानी अंचल क अलावा कंकड़बाग पुराना बाईपास कए मैकेनाइज्ड सफाई योजना मे शामिल कएल गेल अछि। जे कंपनी कए एहि काज पर लगाउल गेल अछि, हुनका कचरा क मात्रा क अनुसार भुगतान कएल जाएत। यदि इ काज मे लागल गाड़ी ठाड़ रहत त निगम एकरा लेल कोनो भुगतान नहि करत।

ओबामा आ मनमोहन क क्लब मे नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन आ प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह क क्लब मे शामिल भ गेलथि। हुनका सब कए रोटरी इंटरनेशनल क इंटरनेशनल पोलियो पल्स कमेटी पोलियो इरेडिकेशन चैंपियनशिप एवार्ड स सम्मानित केलक अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कए इ सम्मान रोटरी इंटरनेशनल क इंटरनेशनल पोलियो पल्स कमेटी क चेयरमैन डॉ. राबर्ट स्कॉट राजधानी मे आयोजित एकटा कार्यक्रम मे प्रदान केलथि।

एहि मौका पर मुख्यमंत्री कहलथि जे इ सम्मान हुनकर व्यक्तिगत नहि अछि, बल्कि ओहि लोक क काज क लेल सम्मानित कएल गेल अछि जे बिहार मे पोलियो उन्मूलन क काज मे लागल अछि। मुख्यमंत्री आशा जताउलथि जे बदलैत बिहार क पहचान पोलियो उन्मूलन क लेल सेहो होइत। तारामंडल में आयोजित एहि समारोह मे मुख्यमंत्री कहलथि जे कोसी त्रासदी क बाद हाई रिस्क एरिया कए चिन्हित करि विशेषज्ञ क सुझाव पर काज भ रहल अछि। ओना सिर्फ पोलियो क दवा स सब किछु ठीक नहि होबै वाला, कुपोषण सेहो एकटा कारण अछि। प्रवासी मजदूर क बच्च कए ठीक तरीका स पल्स पोलियो अभियान मे शामिल नहि करबाक एकटा सेहो समस्या अछि। ओ कहलथि जे एकरा लेल इ जरूरी अछि जे पल्स पोलियो अभियान होली आ छठ क समय चिन्हित छहटा जिला मे चलाउल जाए, जेहि ठाम स पोलियो क मामला सामने आ रहल अछि। एकरा अतिरिक्त प्रभावित जिला क प्रखंड स्तर पर तैनात अधिकारी क संग इ मसला पर ओ खुद बैठक करताह। कनाडा स आएल रोटरी इंटरनेशनल पोलियो प्लस कमेटी क चेयरमैन डॉ. राबर्ट स्कॉट एहि अवसर पर कहलथि जे पोलियो उन्मूलन क प्रति बिहार मे चलि रहल कार्यक्रम मे हुनका खूब प्रगति देखेलन। बिहार मे 99 फीसदी बच्चा कए टीकाकरण भेल अछि। इ नेतृत्व क सशकता कए देखबैत अछि। इ पुरस्कार क महत्व किछु एहि तरह स बुझल जा सकैत अछि जे बराक ओबामा, बिल क्लिंटन, डॉ. मनमोहन सिंह, न्यूजीलैंड आ ऑस्ट्रेलिया क पूर्व प्रधानमंत्री कए एहि स पहिने इ पुरस्कार भेट चुकल अछि।

बायोमास प्लांट स सिलेंडर मे भरल जाइत गैस

नवीन आ नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय 400 घन मीटर क्षमता वाला प्लांट क स्वीकृति द देलक अछि

पटना। प्रदेश क पहिल पैघ बायोमास (गोबर गैस) प्लांट छपरा क पुरान गुरहटी मे लागत। एहि स सिलेंडर मे गैस भरल जाइत। नवीन आ नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय 400 घन मीटर क्षमता वाला प्लांट क स्वीकृति द देलक अछि। संगे देश क अन्य राज्य मे सेहो आठ टा पैघ प्लांट क मंजूरी भेटल अछि। प्लांट कए चलेबा लेल प्रतिदिन दस हजार किलोग्राम पशु क गोबर क आवश्यकता पड़त। इ प्लांट कमला बायोगैस इंटरप्राइजेज क नाम स आवंटित भेल अछि। छपरा मे लगै वाला पैघ बायोमास प्लांट क लेल पचास फीसदी लागत खर्च अनुदान क रूप मे भेटत। 400 घन मीटर क प्लांट पर 70 लाख टका खर्च होइत। 35 लाख टका केन्द सरकार अनुदान देत। एकरा अलावा चंडीगढ़, हरियाणा आ कर्नाटक मे एक-एक हजार घन मीटर, पंजाब मे 600 आ 200 घन मीटर, महाराष्ट्र मे 500 घन मीटर आ गुजरात मे एकए ठाम 600 आ 400 घन मीटर क प्लांट निर्माण क मंजूरी नवीन आ नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय द्वारा देल गेल अछि। बायोगैस क पैघ प्लांट स सिलेंडर मे गैस भरबाक समेत फर्टिलाइजर क उत्पादन करबाक आ पाइप लाइन स घर-घर गैस सप्लाई क सुविधा होइत। एतबे नहि नवीन आ नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय क गोबर स बिजली उत्पादन करबाक सेहो एकटा योजना आइल अछि। अखनि तक बिहार क लोक इ योजना क लाभ नहि उठा सकल अछि। एहि मे लागत खर्च क 40 फीसदी राशि अनुदान क रूप मे भेटत। एहि मे तीन किलोवाट स 20 किलोवाट आ 20 किलोवाट स 100 किलोवाट बिजली उत्पादन क प्लांट लगेबा पर प्रति किलोवाट 40 हजार टका अनुदान भेटत। 100 स 250 किलोवाट पर 30 हजार टका प्रति किलोवाट क हिसाब स अनुदान भेटत, जे लागत खर्च क 40 फीसदी होइत। मालूम हुए जे गांव-गांव लगै वाला गोबर गैस प्लांट क क्षमता महज 2 स 3 घन मीटर होइत अछि। बिहार रिन्युएबुल इनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) क निदेशक जीवन कुमार सिन्हा कहलथि जे बायोगैस क पैघ प्लांट प्रदेश क सब टा हिस्सा मे लगबाक जरूरत अछि। एकरा लेल प्रोजेक्ट बना कए ब्रेडा कार्यालय मे जमा करै पड़ताह। तखन मंजूरी लेल ओकरा नवीन आ नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय मे पठाउल जाइत।

मिट्टी क खुशबू विदेश स केलक मोहभंग

कटिहार। हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है, जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता बन जाएगा। बशीर बद्र क शेर कए चरितार्थ करि रहल अछि कामायिनी आ हुनकर पति आशीष। अदम्य साहस आ दोसर लेल जीबै क उत्कंठा लेल अमेरिका स नौकरी छोड़ि कोसी आ सीमांचल मे मजदूर, शोषित क बीच अलख जगा रहल एहि दंपति कए सरकारी सहायता क प्रति रुचि नहि अछि। ओ चाहैत अछि जे हुनका द्वारा चलाउल जा रहल अभियान स बिहार क मजदूर, दलित क मुंह पर सेहो मुस्कान आबै आ वो अपन अधिकार क प्रयोग करि सकै। उत्तरप्रदेश क मेरठ क रहै वाली कामायनी स्वामी आ सहरसा जिला क सोनबरसा क रहनिहार आशीष रंजन पति-पत्नी छथि। आशीष रंजन आईआईटी खड़गपुर स बीटेक करि अमेरिका क एकटा कंपनी मे कार्यरत छलाह, जखन कि हुनकर कनिया दिल्ली क लेडी श्रीराम कॉलेज स एमए छथि। एकर अलावा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस मुंबई क स्टूडेंट रहल छथि। कटिहार क मनसाही प्रखंड क गाम मे नरेगा, सूचना अधिकार, सरकारी योजना आदि कए ल कए जनजागरण अभियान चला रहल कामायनी कहलथि जे ओ वर्ष 1996 मे मजदूर किसान शक्ति संगठन, श्रमिक आदिवासी संगठन मध्य प्रदेश स जुड़ि कए समाज सेवा करि रहल छथि। वर्ष 2003 मे ब्याह क बाद अपन पति संग अमेरिका चलि गेलीह, मुदा सासुर बिहार क सुदूर इलाका मे रहै आ ओहि ठाम क रहन-सहन देखलाक बाद हुनका जागरूक बनेबाक उत्कंठा पैदा भेल आ पति संग वर्ष 2005 मे अमेरिका क नौकरी छोड़ि कए बिहार लौट एलहुं। कामायनी कहलथि जे अररिया जिला स ओ अपन अभियान क शुरुआत केलथि आ एहि मे काफी सफलता भेटल।

दंपती अररिया समेत सीमांचल आ कोसी क इलाके मे जनजागरण अभियान क माध्यम स लोक कए हुनकर अधिकार, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधा क बारे मे जानकारी द कए हुनका आगू आबै लेल कहैत छी। हुनकर इ अभियान क नतीजा भेल जे पिछला दिन कटिहार जिला क मनसाही क लोक प्रखंड कार्यालय पर जॉब कार्ड बनेबा आ अधिकार क लेल धरना देलक आ हुनका अधिकारी स कार्रवाई क आश्वासन सेहो भेटल।

आशीष, जे बीआईटी पटना मे क्लास लेबैत छथि, ओ कहलथि जे नर्मदा बचाओ आंदोलन क मेधा पाटेकर आ अन्य लोक क अदम्य साहस कए देखि कए पत्नी क संग देबाक लेल विदेश क नौकरी कए तिलांजलि द कए एहि ठाम पहुंचल छथि।

हुनकर मंशा अछि जे कोसी आ सीमांचल क इलाका नहि, बल्कि बिहार क लोक क तरक्की भ सकै। दबा-कुचला कए सेहो हुनकर अधिकार भेट सकै। हो कहलथि जे एहि मे हुनका अन्य संगठन क सेहो सहयोग भेट रहल अछि। युवा दंपती क इ जज्बा कए सब सलाम करि रहल अछि।

अंक- 34, साल- 2, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक, फोटो संपादक सारिका झा। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com